सैम्पल पेपर्स

गोल्डन सैम्पल पेपर-1

हिंदी–VI

निर्धारित समय : 3 घंटे | अधिकतम अंक : 80

निर्देश: (*i*) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं–क, ख, ग और घ।
(*ii*) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।
(*iii*) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. ***निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कीजिए–*** **5**

क्या आप लोगों ने कभी शुद्ध हृदय से इस पर विचार किया है कि माता, मातृभूमि और मातृभाषा का आप पर क्या ऋण है? एक जननी आपको जन्म देती है, एक की गोद में खेल-कूदकर और खा-पीकर आप पुष्ट होते हैं, और एक आपको अपने भावों को प्रकट करने की शक्ति देती है, आपके सांसारिक जीवन को सुखमय बनाती है। जिसका आप पर इतना उपकार है, उसके लिए कुछ करना क्या आपका परम कर्तव्य नहीं है? प्यारे भाइयो, उठो, आलस्य छोड़ो, कमर कसो और अपनी मातृभूमि की सेवा में तत्पर हो जाओ, अपने को मातृऋण से मुक्त करो। संसार में सपूत कहलाओ और मातृसेवकों में अपनी कीर्ति छोड़ जाओ। परंतु ध्यान रहे, यह व्रत साधारण नहीं है। इस व्रत का पालन करना तलवार की धार पर चलने के समान है।

प्रश्न–(क) गद्यांश में किसकी चर्चा की गई है?

(ख) माता और मातृभूमि का हमारे जीवन में क्या योगदान है?

(ग) हम भावों को किसके माध्यम से प्रकट करते हैं?

(घ) *'सपूत'* कहलाने के लिए क्या अनिवार्य है?

(ङ) *'तलवार की धार पर चलना'* मुहावरे का अर्थ क्या है?

2. ***निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प के आधार पर दीजिए–*** **5**

न जो बर्फ़ की आँधियों से लड़े हैं
कभी पग न उनके शिखर पर पड़े हैं।
जिन्हें लक्ष्य से कम अधिक प्यार खुद से
वही जी चुराकर तरसते खड़े हैं।
अगर जी सको तो जियो जूझकर तुम
अमरता तुम्हारे चरण चूम लेगी
न हो साथ कोई अकेले चलो तुम
सफलता तुम्हारे चरण चूम लेगी।

प्रश्न–(क) जीवन में असफल कौन होते हैं?

(*i*) जो बर्फ़ की आँधियों से नहीं लड़ते अर्थात् जो कठिनाइयों का सामना नहीं करते।

(*ii*) जो कभी लक्ष्य प्राप्त नहीं करते।

(*iii*) जो अपने स्वार्थों को महत्त्व देते हैं।

(*iv*) दिए गए सभी।

(ख) जीवन में सफल होने के लिए क्या आवश्यक है?

(*i*) निरंतर प्रयासरत रहना।

(*ii*) कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ते रहना।

(*iii*) साथी की तलाश करना।

(*iv*) अपने स्वार्थ से प्रेरित रहना।

(ग) कवि ने अकेले चलने की प्रेरणा क्यों दी है?

(*i*) अकेले ही चलने से अपनी हिम्मत और धैर्य हमारा साथ देता है।

(*ii*) दूसरों की उन्नति में कोई सहयोगी नहीं बनता।

(*iii*) किसी के साथ मिलकर कार्य संभव नहीं होता।

(*iv*) इनमें से कोई नहीं।

(घ) अमरता मनुष्य के कदम कब चूमती है?

(*i*) जब हम अकेले बढ़ते हैं।

(*ii*) जब हम विशेष लक्ष्य हासिल करते हैं।

(*iii*) जब हम जीत जाते हैं।

(*iv*) जब हम कठिनाई से जूझते हैं।

(ङ) सफलता शब्द का प्रत्यय है–

(*i*) ता (*ii*) स

(*iii*) लता (*iv*) आ

खंड 'ख'

3. ***निम्नलिखित वाक्यों को सही शब्दों से पूरा कीजिए–***

(क) भाषा का लिखित रूप ..... भाषा कहलाता है। 1

(ख) वर्णों का क्रमबद्ध समूह ..... कहलाता है। 1

4. **(क)** 'दुर्' उपसर्ग लगाकर एक शब्द बनाइए। 1

(ख) 'सज्जनता' शब्द में प्रत्यय अलग कीजिए। 1

(ग) 'छात्रावास' शब्द का संधि विच्छेद कीजिए। 1

(घ) 'रसोईघर' समस्त पद का समास विग्रह कीजिए। 2

5. **(क) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–** 2

हवा, नदी

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए– 1

आदर, आस्तिक

(ग) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अनेकार्थी शब्द लिखिए– 1

पत्र, चीर

(घ) निम्न वाक्यांशों हेतु एक शब्द दीजिए– 1

(*i*) जो मांस खाता है।

(*ii*) व्याकरण का ज्ञाता।

6. **(क) निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य प्रयोग कीजिए–** 2

(*i*) धुन सवार होना।

(*ii*) मुँह में पानी भर आना।

(ख) निम्नलिखित लोकोक्तियों का अर्थ लिखिए– 1

(*i*) मान न मान मैं तेरा मेहमान।

(*ii*) न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी।

खंड 'ग'

7. ***निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–*** 5

अब राजप्पा को कोई नहीं पूछता। आजकल सब-के-सब नागराजन को घेरे रहते। 'नागराजन घमंडी हो गया है', राजप्पा सारे लड़कों में कहता फिरता। पर लड़के भला कहाँ उसकी बातों पर ध्यान देते। नागराजन के मामा जी ने सिंगापुर से एक अलबम भिजवाया था। वह लड़कों को दिखाया करता। सुबह पहली घंटी के बजने तक सभी लड़के नागराजन को घेरकर अलबम देखा करते। आधी छुट्टी के वक्त भी उसके आसपास लड़कों का जमघट लगा रहता। कई लोग टोलियों में उसके घर तक हो आए। नागराजन शांतिपूर्वक सभी को अपना अलबम दिखाता, पर किसी को हाथ नहीं लगाने देता।

प्रश्न–(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) राजप्पा को अब कोई क्यों नहीं पूछता था?

(ग) राजप्पा नागराजन के बारे में लड़कों से क्या कहता था? उनकी क्या प्रतिक्रिया होती थी?

(घ) नागराजन के आस-पास लड़कों का जमघट क्यों लगा रहता था?

(ङ) 'शांतिपूर्वक' शब्द का प्रत्यय एवं मूल शब्द अलग-अलग कीजिए।

8. ***निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–*** $5 \times 2 = \mathbf{10}$

(क) केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडों की रक्षा की या नादानी?

(ख) 'बचपन' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या-क्या काम करती थी?

(ग) अक्षरों के ज्ञान से पहले मनुष्य अपनी बात को दूर-दराज़ के इलाकों तक पहुँचाने के लिए किन-किन माध्यमों का सहारा लेता था?

(घ) छोटू को सुरंग में जाने की इज़ाजत क्यों नहीं थी?

(ङ) माँ मोहन के 'ऐसे-ऐसे' कहने पर क्यों घबरा रही थी?

9. ***निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–*** 5

साथी हाथ बढ़ाना
एक अकेला थक जाएगा, मिलकर बोझ उठाना।
साथी हाथ बढ़ाना।
हम मेहनतवालों ने जब भी, मिलकर कदम बढ़ाया
सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया
फ़ौलादी हैं सीने अपने, फ़ौलादी हैं बाँहें
हम चाहें तो चट्टानों में पैदा कर दें राहें
साथी हाथ बढ़ाना।

प्रश्न–(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ख) मिलकर मेहनत करने से क्या संभव है?

(ग) 'सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया' का आशय समझाइए।

(घ) हम कैसे हैं और क्या कर सकते हैं?

(ङ) काव्यांश से क्या शिक्षा मिलती है?

10. ***निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–*** $2 \times 5 = \mathbf{10}$

(क) 'वह चिड़िया जो' कविता के आधार पर बताइए कि चिड़िया को किन-किन चीज़ों से प्यार है?

(ख) 'चाँद से थोड़ी सी गप्पे' कविता से क्या संदेश मिलता है?

(ग) 'गैरों के लिए हमने क्या किया' साथी हाथ बढ़ाना कविता के अनुसार बताइए।

(घ) चाँद को कौन-सा रोग है?

(ङ) कविता के आधार पर चिड़िया की दो विशेषताएँ लिखिए।

11. ***'पूरक पुस्तक' पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–*** 10

(क) राजा दशरथ को कौन-सा दुख था? वह कैसे दूर हुआ?

(ख) नदी तट पर विश्वामित्र ने राजकुमारों से क्या कहा?

(ग) कैकेयी ने राजा दशरथ से क्या वरदान माँगा?

(घ) भरत ने अपनी ननिहाल में क्या सपना देखा था?

(ङ) राम और लक्ष्मण ने महाराज दशरथ का निर्णय कि वे महर्षि विश्वामित्र के साथ जाएँ खुशी-खुशी स्वीकार क्यों किया?

खंड 'घ'

12. स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर सूचित कीजिए कि आपके क्षेत्र में शुद्ध जल की अत्यधिक समस्या है। इस ओर कोई कदम उठाया जाए। 5

13. निम्न चित्र को देखकर अपने मन में उभरते भावों को लिखिए– 5

14. ***निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर निबंध लिखिए–*** **5**

(क) पर्यावरण सुरक्षा

संकेत बिंदु–
- अर्थ
- प्रदूषण समाप्त करना अनिवार्य
- लोगों में जागरूकता लाना
- पर्यावरण के प्रति सतर्कता
- पेड़ लगाना

(ख) दीपावली

संकेत बिंदु–
- अर्थ
- साफ़–सफ़ाई
- पूजा
- उपहार बाँटना
- मनाने का कारण
- बुराइयाँ
- रोशनी का त्योहार

(ग) मित्रता

संकेत बिंदु–
- जीवन में मित्रता का महत्त्व
- मित्रता के लाभ
- सही चुनाव
- मित्र का साथ अनिवार्य
- सच्ची मित्रता करना कठिन
- उदाहरण

गोल्डन सैम्पल पेपर-2
हिंदी–VI

निर्धारित समय : 3 घंटे | अधिकतम अंक : 80

निर्देश: (*i*) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं–क, ख, ग और घ।
(*ii*) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।
(*iii*) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. ***निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–***

इस स्तंभकार को वे दिन याद आए–आज़ादी के पहले स्वाधीनता संग्राम के दिन, जब देश के नेताओं के कलेंडर बाज़ारों और घरों में भरे होते थे। गांधी, तिलक, नेहरू, पटेल, सुभाष, राजेंद्र बाबू, मौलाना आज़ाद से लेकर भगतसिंह, चंद्रशेखर आज़ाद आदि शायद ही कोई नेता ऐसा हो जिसका कलेंडर बाज़ार में न मिलता हो। सच तो यह है कि सारे समाज में देशभक्ति की लहर जगाने में इन राष्ट्रीय नेताओं के कलेंडरों का बड़ा हाथ था, जो घर-घर में पहुँचे हुए थे। हम बच्चे घर की दीवारों पर उन्हें टँगे देख उनके बारे में पूछते थे, इस तरह स्वाधीनता संग्राम के इतिहास से खुद को जुड़ा महसूस करते थे और देश की आज़ादी के लिए बड़े होकर लड़ने का स्वप्न देखा करते थे।

प्रश्न–(क) स्तंभकार को किन दिनों की याद आ गई? 2
(ख) बाज़ार में कैसे कलेंडरों की भरमार होती थी? 1
(ग) लोगों में देशभक्ति जगाने में कौन साथ देता था? 1
(घ) बच्चे स्वयं को स्वाधीनता संग्राम से जुड़ा कैसे महसूस करते थे? 2
(ङ) बच्चों द्वारा क्या स्वप्न देखे जाते थे? 2

2. ***निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–***

बिना विचारे जो करै, सौ पाछे पछताय।
काम बिगाड़े आपना, जग में होत हँसाय।।
जग में होत हँसाय, चित्त में चैन न पावै।
खान, पान, सम्मान, राग, रंग मनहि न भावै।
कह गिरधर कविराय, दुःख कछु टरत न टारे।
खटकत है जिय मांहि कियो जो बिना विचारे।।

प्रश्न–(क) प्रस्तुत काव्यांश में किस विचार को उभारा गया है? 2
(ख) कैसे लोगों को काम करने के बाद पछताना पड़ता है? 2

(ग) संसार के लोग किसी व्यक्ति की हँसी कब उड़ाते हैं? 1

(घ) हँसी होने पर व्यक्ति कैसे प्रभावित होता है? 1

(ङ) कवि ने क्या संदेश देना चाहा है? 1

खंड 'ख'

3. *निम्नलिखित वाक्यों को सही शब्दों से पूरा कीजिए–*

(क) भारतीय संविधान में ..... भाषाओं को मान्यता प्राप्त है। 1

(ख) वर्णमाला में स्वरों की संख्या ..... है। 1

(ग) द्रव्यवाचक संज्ञा का एक उदाहरण दीजिए। 1

(घ) बच्चा सीढ़ियाँ स्वयं चढ़ गया। (वाक्य में सर्वनाम भेद बताइए)। 1

(ङ) 'काला घोड़ा' शब्दों में विशेषण और विशेष्य अलग कीजिए। 1

4. (क) दीपांश पढ़ रहा है। (वाक्य का अर्थ के आधार पर भेद बताइए)। 1

(ख) मैं दौड़ नहीं सकता। (वाक्य को भाववाच्य वाक्य में परिवर्तित कीजिए।) 1

(ग) मेरे पास अनेकों घर हैं। (वाक्य शुद्ध कीजिए) 1

(घ) गांधी जी ने कहा स्वतंत्रता अहिंसा से प्राप्त नहीं करनी चाहिए (वाक्य में विराम चिह्न लगाइए)। 1

5. (क) वर्षा ..... हो रही है। (क्रियाविशेषण अव्यय से वाक्य पूरा करो।) 1

(ख) 'अनुमान' शब्द में उपसर्ग अलग कीजिए। 1

(ग) 'राजा का पुत्र' का समस्त पद (समास) बनाइए। 1

6. **(क) निम्नलिखित शब्दों का पर्याय शब्द लिखिए–** 2

पृथ्वी, अग्नि।

(ख) निम्नलिखित शब्द का विलोम शब्द लिखिए– 1

अनुकूल, आयात।

(ग) निम्नलिखित समरूपी भिन्नार्थक शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए– 1

अवधि/अवधी

(घ) निम्नलिखित वाक्यांशों हेतु एक शब्द लिखिए– 1

जो वर्ष में एक बार हो,

जिसका कोई अंत न हो।

7. **(क) निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में प्रयोग कीजिए–** 2

दाँतों तले उँगली दबाना, खून पसीना एक करना

(ख) निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए– 1

अंत भले का भला,

उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे।

खंड 'ग'

8. ***निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–*** **5**

अक्षरों की खोज के साथ एक नए युग की शुरुआत हुई। आदमी अपने विचार और अपने हिसाब-किताब को लिखकर रखने लगा। तबसे मानव को 'सभ्य' कहा जाने लगा। आदमी ने जबसे लिखना शुरू किया तबसे 'इतिहास' आरंभ हुआ। किसी भी कौम या देश का इतिहास तब से शुरू होता है जबसे आदमी के लिखे हुए लेख मिलने लग जाते हैं। इस प्रकार, इतिहास को शुरू हुए मुश्किल से छह हज़ार साल हुए हैं। उसके पहले के काल को 'प्रागैतिहासिक काल' यानी इतिहास के पहले का काल कहते हैं।

प्रश्न–(क) नए युग की शुरुआत कब से मानी जाती है?

(ख) अक्षरों की खोज के बाद क्या हुआ?

(ग) इतिहास का आरंभ कब से हुआ?

(घ) इतिहास से पहले के काल को क्या नाम दिया गया?

(ङ) मनुष्य को सभ्य कब माना गया?

9. ***निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–*** $5 \times 2 = \mathbf{10}$

(क) लेखिका को चश्मा क्यों लगाना पड़ा? चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई उन्हें क्या कहकर चिढ़ाते थे?

(ख) अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में किस तरह के सवाल उठते थे? वे आपस में ही सवाल-जवाब करके दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थे?

(ग) 'सागर ने रस्ता छोड़ा, परवत ने सीस झुकाया' कविता साथी हाथ बढ़ाना में साहिर ने ऐसा क्यों कहा है?

(घ) राजप्पा ने टिकट अलबम अँगीठी में क्यों डाल दी?

(ङ) ऐसे कौन-कौन से बहाने होते हैं जिन्हें मास्टर जी एक ही बार में सुनकर समझ लेते हैं? ऐसे-ऐसे पाठ के आधार पर लिखिए।

10. ***निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–*** **5**

उदित हुआ सौभाग्य, मुदित महलों में उजयाली छाई,
किंतु कालगति चुपके-चुपके काली घटा घेर लाई,
तीर चलानेवाले कर में उसे चूड़ियाँ कब भाईं,
रानी विधवा हुई हाय! विधि को भी नहीं दया आई,
नि:संतान मरे राजा जी,
रानी शोक-समानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी।।

प्रश्न–(क) महलों का वातावरण कैसा था?

(*i*) खुशी का (*ii*) मातम का

(*iii*) वीरता से परिपूर्ण (*iv*) शांतिप्रिय

(ख) महल में खुशी का कारण क्या था?

(*i*) लक्ष्मीबाई का महल में आना।

(*ii*) गंगाधर राव का राज्य की सीमा बढ़ाना।

(*iii*) महल पर अंग्रेज़ों का कब्ज़ा होने का डर समाप्त हो जाना।

(*iv*) सभी शासकों का झाँसी की सत्ता को सहयोग देना।

(ग) रानी को सामान्य औरतों की भाँति चूड़ियाँ क्यों नहीं भाती थी?

(*i*) क्योंकि रानी वीरांगना थी।

(*ii*) क्योंकि उसे चूड़ियाँ पसंद न आती थी।

(*iii*) क्योंकि उसने झाँसी की सत्ता सँभालने का प्रण लिया था।

(*iv*) इनमें से कोई नहीं।

(घ) रानी शोक समानी क्यों थी?

(*i*) अंग्रेज़ों ने झाँसी पर कब्ज़ा कर लिया।

(*ii*) गंगाधर राव को बंदी बना लिया था।

(*iii*) उसके पति गंगाधर राव की मृत्यु हो गई।

(*iv*) झाँसी की सारी संपत्ति अंग्रेज़ों ने हथिया ली थी।

(ङ) *'नि:संतान'* शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(*i*) बिना संतान के (*ii*) बिगड़ी संतान

(*iii*) आज्ञाकारी संतान (*iv*) सुयोग्य संतान

11. *'पूरक पुस्तक' पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–* $2 \times 5 = \mathbf{10}$

(क) ताड़का कौन थी? उसका अंत कैसे हुआ?

(ख) राजा दशरथ राम का राज्याभिषेक क्यों करना चाहते थे?

(ग) सुमंत्र का खाली रथ अयोध्या पहुँचने पर अयोध्यावासियों ने क्या प्रतिक्रिया की?

(घ) यह पता चलने पर कि मंथरा ने कैकेयी के कान भरे हैं, शत्रुघ्न ने क्या किया?

(ङ) लक्ष्मण ने शूर्पनखा के नाक-कान क्यों काट दिए थे?

खंड 'घ'

12. अपने मामाजी को पत्र लिखकर बताइए कि ग्रीष्मावकाश में आप उनके घर जाना चाहते हैं। 5

13. आपके विद्यालय में 'सर्वशिक्षा जागरूकता' के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जा रहा है इस हेतु सूचना-पट्ट पर सूचना लिखिए। 5

14. *निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए–* **5**

(क) परोपकार

संकेत बिंदु–
- अर्थ
- महत्त्व
- समाज हेतु आवश्यक
- निस्वार्थ भाव
- आत्मसंतुष्टि

(ख) यदि मैं चिड़िया होता

संकेत बिंदु–
- चंचल स्वभाव
- आकाश की ऊँचाइयाँ छूना
- नदी झरनों का जल पीना
- स्वच्छंद जीवन
- बहेलिए का डर

(ग) कंप्यूटर का महत्त्व

संकेत बिंदु–
- आधुनिकता का प्रतीक
- आवश्यकता
- उपयोगी यंत्र
- गलत उपयोग पर पाबंदी
- सभी आयु वर्ग के लोगों का साथी

गोल्डन सैम्पल पेपर-3
हिंदी–VI

निर्धारित समय : 3 घंटे | अधिकतम अंक : 80

निर्देश: (*i*) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं–क, ख, ग और घ।
(*ii*) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।
(*iii*) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. ***निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–*** **5**

पुस्तकालय हमारे हृदय को विशाल और जीवन को उन्नत बनाता है। यहाँ पुस्तकों की संगति और सूचनाओं से हमारे मन में ज्ञान के नए-नए फूल खिलते हैं, हमे देश-विदेश की नई-पुरानी बातें सीखने को मिलती हैं। पुस्तकालय में कीमती पुस्तकें भी रहती हैं, जिन्हें साधारण लोग खरीद नहीं पाते। यहाँ कम-से-कम खर्च में कीमती किताबें पढ़ लेते हैं। पुस्तकालय से निरक्षरता और अशिक्षा दूर होती है। पास-पड़ोस के जो लोग दूसरों को पुस्तकालय में पढ़ते देखते हैं, वे भी पढ़ाई की तैयारी करने लगते हैं। इस प्रकार अनपढ़ लोगों को भी लाभ पहुँचता है। कुछ लोग मनोरंजन के लिए भी पुस्तकालयों में जाते हैं। लेकिन यहाँ का मनोरंजन अध्ययन के आनंद का मनोरंजन है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि पुस्तकालय मनुष्य के चरित्र का निर्माण करता है और हमें हर तरह से लाभ पहुँचाता है।

प्रश्न–(क) पुस्तकालय से आप क्या समझते हैं?
(ख) पुस्तकालय के क्या लाभ हैं?
(ग) साधारण लोगों के लिए कैसे उपयोगी है?
(घ) पुस्तकालयों में मनोरंजन कैसे होता है?
(ङ) 'पुस्तकालय' शब्द का वर्ण-विच्छेद कीजिए।

2. ***निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–*** **5**

ऊँचा खड़ा हिमालय, आकाश चूमता है।
नीचे चरण तले झुक, नित सिंधु झूमता है।
गंगा यमुना त्रिवेणी, पग पग छहर रही हैं
झरने अनेक झरते इसकी पहाड़ियों में
चिड़ियाँ चहक रही, हो मस्त झाड़ियों में
वह धर्मभूमि मेरी, वह कर्मभूमि मेरी,

वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।
जन्मे जहाँ थे रघुपति, जन्मी जहाँ थी सीता,
श्रीकृष्ण ने सुनाई, वंशी पुनीत गीता।
गौतम ने जन्म लेकर, जिसका सुयश बढ़ाया,
जग को दया सिखाई, जग को दिया दिखाया।
वह युद्धभूमि मेरी, वह बुद्धभूमि मेरी।
वह मातृभूमि मेरी, वह जन्मभूमि मेरी।

प्रश्न– **(क)** काव्यांश में किसकी प्रशंसा का गान किया गया है?

(ख) भारत की पुण्य धरती पर कौन-कौन सी मुख्य नदियाँ बहती हैं?

(ग) इस धरती पर किन महापुरुषों ने जन्म लिया?

(घ) गौतम ने लोगों को क्या सीख दी?

(ङ) 'मातृभूमि' से क्या तात्पर्य है?

खंड 'ख'

3. **(क)** भाषा को मानक रूप कौन प्रदान करता है? 1

(ख) 'द्वित्व व्यंजन' का एक उदाहरण दीजिए। 1

(ग) 'मयूर' शब्द का तद्भव रूप लिखिए। 1

4. **(क)** आदरार्थक बहुवचन का एक उदाहरण लिखिए। 1

(ख) 'माँ' संज्ञा शब्द हेतु दो विशेषण शब्द लिखिए। 1

(ग) डॉक्टर रोगी को दवाई देता है। (वाक्य में क्रिया भेद बताइए।) 1

(घ) रोगी को काटकर सेब खिलाओ। (वाक्य शुद्ध कीजिए)। 1

(ङ) अरे! तुम कैसे गिर गए। (अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताइए।) 1

5. **(क) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।** 2

पुष्प, जल

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। 1

कर्मठ, गौण

(ग) निम्न समरूपी भिन्नार्थक शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए। 1

कुल/कूल

(घ) निम्न वाक्यांशों हेतु एक शब्द दीजिए–

मास में एक बार होने वाला 1

दूसरों का उपकार मानने वाला 1

6. **(क)** 'सकुशल' शब्द में मूल शब्द व उपसर्ग अलग कीजिए। 1

(ख) 'बनावट' शब्द में मूल शब्द व प्रत्यय को अलग कीजिए। 1

(ग) निम्न में संधि कीजिए– 1

राम + अवतार, सदा + एव

(घ) निम्न में समास विग्रह कीजिए– 1

त्रिलोचन, पंचतत्व

7. (क) निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य प्रयोग कीजिए– 1

दाने-दाने को तरसना।

लोहे के चने चबाना।

(ख) निम्नलिखित लोकोक्तियों का अर्थ लिखिए– 1

मान न मान मैं तेरा मेहमान

न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी

खंड 'ग'

8. *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–* 5

उन्हें सब्ज़ी, फल और अनाज के पौष्टिक गुणों का ज्ञान था। एक बार एक आश्रमवासी ने बिना धोए आलू काट दिए। गांधी ने उसे समझाया कि आलू और नींबू को बिना धोए नहीं काटना चाहिए। एक बार एक आश्रमवासी को कुछ ऐसे केले दिए गए जिनके छिलकों पर काले चक्ते पड़ गए थे। उसने बहुत बुरा माना। तब गांधी ने उसे समझाया कि ये जल्दी पच जाते हैं और तुम्हें खासतौर पर इसलिए दिए गए हैं कि तुम्हारा हाज़मा कमज़ोर है।

प्रश्न–(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) किस बात से पता चलता है कि गाँधी जी को सब्ज़ी, फल आदि के पौष्टिक गुणों का ज्ञान था?

(ग) आश्रमवासी को क्या बुरा लगा?

(घ) गांधी जी ने उन्हें क्या समझाया?

(ङ) 'कमज़ोर' शब्द का विलोम शब्द लिखिए।

9. *निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–* $5 \times 2 = \mathbf{10}$

(क) जिन लोगों के पास आँखें होती हैं वे सचमुच कम देखते हैं? हेलेन केलर ने ऐसा क्यों कहा?

(ख) गोल, चमकीला रोड़ा अपनी क्या कहानी बताता है–पाठ 'संसार एक पुस्तक है' के आधार पर बताइए।

(ग) लोकगीत क्या होते हैं? ये किस-किस अवसर पर गाए जाते हैं?

(घ) आश्रम में कॉलेज के छात्रों से गांधीजी ने कौन-सा काम करवाया और क्यों?

(ङ) बाँस को बूढ़ा कब कहा जा सकता है? बूढ़े बाँस में कौन-सी विशेषता होती है जो युवा बाँस में नहीं पाई जाती?

10. *निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–* 5

मैं सबसे छोटी होऊँ,
तेरी गोदी में सोऊँ,
तेरा अंचल पकड़-पकड़कर
फिरूँ सदा माँ! तेरे साथ,
कभी न छोड़ूँ तेरा हाथ!
बड़ा बनाकर पहले हमको
तू पीछे छलती है मात!

प्रश्न– **(क)** कविता एवं कवि का नाम लिखिए।

(ख) सबसे छोटी होने की कामना क्यों की गई है?

(ग) कवि ने यह क्यों कहा है–बड़ा बनाकर पहले हमको, तू पीछे छलती है मात!

(घ) सबसे छोटी होते हुए माँ से कौन-कौन से सुख प्राप्त होते हैं?

(ङ) काव्यांश में से कोई दो तुकांत शब्द लिखिए।

11. ***'पूरक पुस्तक' पर आधारित प्रश्न–*** $2 \times 5 = \mathbf{10}$

(क) रावण ने सीता हरण के लिए क्या किया?

(ख) शबरी कौन थी? उसने राम को क्या बताया?

(ग) सुग्रीव ऋष्यमूक पर्वत पर क्यों रह रहे थे?

(घ) लंका जाते समय हनुमान को किन-किन बाधाओं का सामना करना पड़ा?

(ङ) विभीषण ने रावण को क्या समझाने का प्रयास किया और क्यों?

खंड 'घ'

12. अपनी बड़ी बहन को पत्र लिखकर बताइए कि आपने दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। 5

13. दुकानदार और ग्राहक के मध्य हुई बातचीत को संवाद रूप में लिखिए। 5

14. एक हाथ की कलाई की घड़ी का सुंदर विज्ञापन लिखिए। 5

15. ***निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए–*** **5**

(क) मेट्रो रेल

संकेत बिंदु–
- सुखद वाहन
- कम खर्चीला
- स्वच्छता पर विशेष ध्यान
- पसंदीदा
- पूर्ण सुविधाएँ
- बूढ़े, विकलांगों एवं महिलाओं हेतु सुरक्षित साधन

(ख) बरसात का एक दिन

संकेत बिंदु–
- महीना
- पानी ही पानी
- यादगार दिन
- चाय, पकौड़े एवं हलवा
- मौसम में बदलाव
- मस्ती करना
- थकावट

(ग) मॉल की सैर

संकेत बिंदु–
- नाम
- विशेषता
- खाने-पीने की मौज
- फिल्म देखना
- प्रसन्नता का भाव
- स्थान
- विभिन्न दुकानें
- खेलों का आनंद
- पूरा दिन बीत जाना

सैम्पल पेपर्स

गोल्डन सैम्पल पेपर-1

हिंदी–VI

उत्तर-भाग

खंड 'क'

1. (क) गद्यांश में माता, मातृभूमि और मातृभाषा की चर्चा की गई है।
   (ख) माता हमें जन्म देती है और मातृभूमि की गोद में खेल-कूद और खा-पीकर पुष्ट होते हैं।
   (ग) हम भावों को मातृभाषा के माध्यम से प्रकट करते हैं?
   (घ) आलस्य छोड़कर व कमर कसकर मातृभूमि की सेवा करने वाले ही सपूत कहलाते हैं।
   (ङ) 'तलवार की धार पर चलना' – कठोर निर्णय लेना।

2. (क) – (*iv*), (ख) – (*ii*), (ग) – (*i*), (घ) – (*iv*), (ङ) – (*i*)

खंड 'ख'

3. (क) लिखित। (ख) वर्णमाला।

4. (क) दुर्गम। (ख) सज्जन + ता।
   (ग) छात्र + आवास। (घ) रसोई के लिए घर।

5. (क) हवा – पवन, वायु, समीर।
   नदी – सरिता, तटिनी।
   (ख) आदर – अनादर
   आस्तिक – नास्तिक
   (ग) पत्र – पत्ता, चिट्ठी
   चीर – भाग, हिस्सा
   (घ) (*i*) जो मांस खाता है– मासांहारी
   (*ii*) व्याकरण का ज्ञाता– व्याकरणाचार्य।

6. (क) (*i*) धुन सवार होना (*हर वक्त एक ही विषय में सोचना*) – राकेश को फौजी बनने की धुन सवार हो गई।
   (*ii*) मुँह में पानी भर आना (*खाने की बहुत इच्छा होना*) – रसगुल्ले देखकर मेरे मुँह में पानी भर आया।
   (ख) (*i*) मान न मान मैं तेरा मेहमान– बिना चाहे किसी के गले पड़ना।
   (*ii*) न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी– जड़ से समाप्त कर देना।

खंड 'ग'

7. (क) पाठ का नाम– *टिकट अलबम।*
लेखक का नाम– *सुंदरा रामस्वामी।*

(ख) राजप्पा के पास अलबम था। उस अलबम के कारण सभी लड़के उसे घेरे रहते थे, पर अब नागराजन के मामा ने उसे सिंगापुर से एक अलबम भेजा था। इस अलबम के कारण नागराजन को सभी घेरे रहते थे और राजप्पा को कोई नहीं पूछता था।

(ग) राजप्पा लड़कों से कहता था कि नागराजन घमंडी हो गया, पर सारे लड़के उसकी बात पर ध्यान नहीं देते थे। राजप्पा की बातों का लड़कों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता था।

(घ) नागराजन को उसके मामा ने एक अलबम भिजवाया था। सारे लड़के उस अलबम को देखने के लिए नागराजन को घेरे रहते थे।

(ङ) प्रत्यय – पूर्वक
मूलशब्द – शांति

8. (क) केशव और श्यामा दोनों बच्चे थे। उन्होंने जब पहली बार चिड़िया के अंडों को देखा तो उनकी उत्सुकता बढ़ गई। उन्होंने अपनी ओर से उन अंडों की रक्षा करनी चाही। अंडों के नीचे कपड़े की गद्दी लगाई, उनके ऊपर टोकरी से छाया की व चिड़िया हेतु दाना-पानी भी रखा। लेकिन वे नादान थे, उन्हें नहीं मालूम था कि यदि वे अंडों को छू लेंगे तो चिड़िया उन्हें छोड़ ही देगी। वास्तव में वे तो उन अंडों की रक्षा करना चाहते थे लेकिन नादानी में रक्षा में हत्या हो गई।

(ख) लेखिका इतवार की सुबह पहले अपने मोज़े धोतीं क्योंकि नौकर या नौकरानी से उन्हें धुलवाने की मनाही थी। फिर जूते पॉलिश करके उन्हें कपड़े या ब्रुश से रगड़-रगड़ कर चमकातीं।

(ग) अक्षरों के ज्ञान से पहले मनुष्य अपनी बात को दूर-दराज़ के इलाकों तक पहुँचाने के लिए चित्रों का सहारा लेता था। वह पशु-पक्षियों, आदमियों तथा अन्य वस्तुओं के चित्र बनाकर अपनी बात दूर-दूर के इलाकों में पहुँचाता था। पशु-पक्षियों आदि के चित्रों के बाद वह अपने भावों को संकेत चित्रों द्वारा दर्शाने लगा।

(घ) सुरंग में कुछ विशेष लोगों को ही जाने की अनुमति प्राप्त थी। छोटू के पापा भी ऐसे व्यक्तियों में से थे जिन्हें इस सुरंग में जाने की अनुमति मिली हुई थी। वे इस सुरंग के रास्ते से ही काम पर जाया करते थे। उन्हें एक सिक्योरिटी कार्ड मिला हुआ था जिसे खाँचे में डालने से ही सुरंग में जाया जा सकता था। छोटू अभी बच्चा था इसीलिए उसे सुरंग में जाने की अनुमति नहीं थी।

(ङ) मोहन पेट के दर्द के मारे बेचैन था। उसने सिर्फ़ एक केला और संतरा खाया था। मोहन 'ऐसे-ऐसे' होता है की रट लगा रहा था। मोहन की माँ को समझ में नहीं आ रहा था कि यह 'ऐसे-ऐसे' की कौन-सी बीमारी है। उसे लग रहा था कि मोहन को कुछ ज्यादा तकलीफ़ हो रही है। उसका चेहरा भी उतरा-उतरा सा लग रहा था। यह कोई खतरनाक बीमारी होती होगी। उसने हींग, चूरन और पिपरमेंट भी दिया था। इससे भी मोहन की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ था। इसलिए माँ मोहन के 'ऐसे-ऐसे' कहने पर घबरा रही थी।

9. (क) कविता का नाम– *साथी हाथ बढ़ाना।*
कवि का नाम– *साहिर लुधियानवी।*

(ख) बड़ी से बड़ी मुश्किल हल जो जाती है। सागर भी रास्ता दे देता है और पर्वत झुक जाता है अर्थात् बाधाएँ स्वत: ही हल हो जाती हैं।

(ग) यह जीवन की सच्चाई है। यदि हम जीवन में मिल-जुलकर काम करते हैं तो बड़ी से-बड़ी मुश्किल आसान हो जाती है। हम बड़ी-से-बड़ी शक्ति को भी झुकने पर विवश कर सकते हैं। संगठन में बहुत बड़ी शक्ति है। इसलिए यदि मनुष्य मिलकर आगे बढ़ें तो सागर को रास्ता देना पड़ता है और पर्वत भी उनके कदमों में शीश झुका देता है।

(घ) हममें अपार शक्ति हैं; हम बड़ी-से-बड़ी बाधा भी पार कर सकते हैं।

(ङ) हमें प्रत्येक कार्य मिल-जुलकर करना चाहिए।

10. (क) चिड़िया को नदी, अन्न और जंगल से प्यार है।

(ख) इस कविता से यह संदेश मिलता है कि प्रकृति के नियमों को बदला नहीं जा सकता है। चाँद क्यों घटता चला जाता है और कैसे बढ़ता चला जाता है। इसमें मनुष्य किसी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं कर सकता।

(ग) पहले हम अंग्रेज़ों के गुलाम थे। तब हमने सब कुछ अंग्रेजों के लिए किया था। गैरों के लिए हमने मेहनत, मज़दूरी की थी, उनकी सेवा में तत्पर रहे, उनके उद्योगों में काम किया।

(घ) चाँद घटता और बढ़ता है। वह प्रतिपदा से धीरे-धीरे बढ़ना आरंभ करता है और पूर्णमासी की रात को वह पूरी तरह से गोल होता है। उसके बाद वह घटना आरंभ कर देता है। वह घटते-घटते अमावस्या की रात को बिल्कुल गुल हो जाता है। अतएव चाँद में घटने और बढ़ने का रोग है।

(ङ) चिड़िया के पंख नीले हैं। वह बहुत छोटी और प्यारी लगती है। वह बहुत संतोषी है। उसे अन्न से बहुत प्यार है। उसे जंगल भी बहुत प्रिय है। वह नदी की भावनाओं का भी ध्यान रखती है और उसके दिल को टटोलकर ही जल कण लेती है। वह स्वाभिमानिनी है। उसे नदी से भी बहुत प्यार है।

11. (क) राजा दशरथ को नि:संतान होने का दुख था। संतान की कमी उन्हें बहुत सताती थी। वशिष्ठ मुनि ने राजा दशरथ को पुत्रेष्टि-यज्ञ करने की सलाह दी। महान तपस्वी ऋष्यश्रृंग की देख-रेख में पुत्रेष्टि-यज्ञ किया गया। इससे कुछ समय बाद राजा दशरथ की इच्छा पूर्ण हुई। उनकी तीनों रानियाँ पुत्रवती हो गईं। इससे राजा दशरथ का नि:संतान होने का दुख दूर हो गया।

(ख) नदी तट पर विश्वामित्र ने राजकुमारों से कहा कि आज की रात हम नदी किनारे ही विश्राम करेंगे। मैं तुम्हें कुछ ऐसी विद्याएँ सिखाना चाहता हूँ जिन्हें सीखने के बाद तुम पर कोई प्रहार नहीं कर सकेगा। उस समय भी नहीं, जब तुम सो रहे होंगे।

(ग) कैकेयी ने राजा दशरथ से दो वरदान माँगे; पहला– राम को चौदह वर्ष का वनवास दूसरा भरत को राज्याभिषेक।

(घ) भरत ने अपनी ननिहाल में सपने में देखा कि समुद्र सूख गया है। चंद्रमा पृथ्वी पर गिर पड़ा है, वृक्ष सूख गए हैं। एक राक्षसी उनके पिता को खींचकर ले जा रही है।

(ङ) राम और लक्ष्मण सदैव पिता की आज्ञा का पालन करने के लिए तैयार रहते थे। जैसे ही उन्हें पता चला कि पिताजी ने महर्षि विश्वामित्र को वचन दिया है तो वे दोनों भाई खुशी-खुशी उनके साथ जाने को तैयार हो गए।

खंड 'घ'

12. प्रतिष्ठा में

स्वास्थ्य अधिकारी

स्वास्थ्य विभाग

जालंधर।

विषय– सैक्टर 16 में शुद्ध पेय जल प्रबंध हेतु।

महोदय

हम सैक्टर-16 के निवासी आपसे यह अनुरोध करना चाहते हैं कि हमारे क्षेत्र में पिछले पंद्रह दिनों से पीने का पानी नहीं आ रहा है। किसी तरह जीवन चल रहा है। लोग गंदा पानी पीने से बीमार होने लगे हैं। घर से बाहर निकलना मुश्किल है। आपसे अनुरोध है कि आप जल्द-से-जल्द शुद्ध पेय जल की व्यवस्था करवाएँ। यदि अभी भी हम सचेत न हुए तो पेट के रोगों के फैलने की आशंका है। आशा करते हैं कि इस हेतु आप अवश्य कोई कदम उठाएँगे।

धन्यवाद।

आभारी
सैक्टर-16 के निवासी
जालंधर
दिनांक-26 अगस्त, 2020

13. यह एक वाटर पार्क का दृश्य है। इसमें छोटे बच्चे नहाकर मजा ले रहे हैं। कुछ बच्चे किनारों से छलांग लगा रहे हैं। कुछ बच्चे दूसरों को देख रहे हैं।

14. **(क) पर्यावरण सुरक्षा**

हमारे आसपास प्रकृति का बिछा हुआ जाल ही पर्यावरण है। जब तक प्रकृति अपने-आप फलती-फूलती है तब तक पर्यावरण भी स्वच्छ, निर्मल एवं पवित्र रहता है। स्वच्छ पर्यावरण मनुष्य हेतु लाभकारी होता है। तब तक उसे शुद्ध वायु, शुद्ध जल, शुद्ध खाद्य पदार्थ और आवश्यक वस्तुएँ प्राप्त होती रहती है।

विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे, वनस्पतियाँ, वनौषधियाँ, जीवन-जन्तु आदि से मिलकर ही पर्यावरण की रक्षा होती है। पर्यावरण रक्षा का अर्थ है सबकी रक्षा करना।

प्राचीन काल में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए विशाल वन संरक्षित किए जाते थे। यदि कहीं कोई पेड़-पौधा काटा जाता था तो दूसरा आरोपित करना लोग अपना कर्तव्य समझते थे। इसमें पर्यावरण सुरक्षा के साथ-साथ पर्यावरण स्वच्छता भी बनी रहती थी।

जैसे-जैसे मनुष्य आधुनिकता की ओर बढ़ा उसने अपने स्वार्थ हेतु वनों को काटना, नदियों का रूख मोड़ना शुरू किया जिससे पेड़-पौधे तो नष्ट हुए बल्कि कई जीव-जंतुओं की जातियाँ-प्रजातियाँ ही समाप्त हो गईं। इस प्रकार पर्यावरण असुरक्षित एवं असंतुलित हो गया।

नगरों-महानगरों में कल-कारखानों से निकलने वाला धुआँ, गैसें, कचरा, विषैला जल, तरह-तरह के वाहन, उनकी ध्वनियाँ, सफाई की कमी आदि पर्यावरण को प्रदूषित करते हैं। इसी के कारण ओजोन परत में भी छेद हो गया जो सूर्यताप से प्राणी जगत की रक्षक थी।

वर्तमान समय में यदि हम यह चाहते हैं कि हमारा जीवन स्वस्थ्य एवं खुशहाल हो तो इसके लिए आवश्यक है कि पर्यावरण को स्वच्छ बनाएँ। इस हेतु भले ही वैज्ञानिक, सरकार एवं विभिन्न संस्थाएँ कार्यरत हैं लेकिन इस तथ्य को भी नकारा नहीं जा सकता है कि आम जनता जब तक सतर्क नहीं होगी तब तक पर्यावरण को सुधारना संभव नहीं है।

गोल्डन सैम्पल पेपर-2

हिंदी-VI

उत्तर-भाग

खंड 'क'

1. (क) स्तंभकार को आजादी के पहले स्वाधीनता संग्राम के दिनों की याद आ गई।
   (ख) बाजारों में देश के नेताओं के कलेंडर की भरमार थी।
   (ग) लोगों में देशभक्ति जगाने में महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर, राजेन्द्र बाबू, मौलाना आज़ाद इत्यादि साथ देते थे।
   (घ) बच्चे घर की दीवारों पर टंगे कलेंडर को देखकर स्वयं को स्वाधीनता संग्राम से जुड़ा महसूस करते थे।
   (ङ) बच्चे बड़े होकर आज़ादी के लिए लड़ने का स्वप्न देखा करते थे।

2. (क) प्रस्तुत काव्यांश में बिना सोचे-समझे कार्य करने के परिणाम को बताया गया है।
   (ख) जो लोग बिना सोचे-समझे कार्य करते हैं, उन्हें बाद में पछताना पड़ता है।
   (ग) संसार के लोग उस व्यक्ति की हँसी उड़ाते हैं जो बिना सोचे-समझे कार्य करता है।
   (घ) हँसी होने पर व्यक्ति बुरी तरह से प्रभावित होता है। बिना सोचे-समझे कार्य करने पर कार्य बिगड़ जाता है और लोग हँसी करते हैं।
   (ङ) कवि ने यह संदेश देना चाहा है कि किसी कार्य को करने से पूर्व उस पर गहन विचार करना चाहिए ताकि कार्य बिगड़ जाने पर पछताने की नौबत न आए और कार्य सफल हो सके।

खंड 'ख'

3. (क) 22
   (ख) 46
   (ग) सोना, चाँदी।
   (घ) निजवाचक सर्वनाम।
   (ङ) काला - विशेषण
   घोड़ा – विशेष्य

4. (क) विधानवाचक
   (ख) मेरे से दौड़ा नहीं जाता।
   (ग) मेरे पास अनेक घर है।
   (घ) गांधी जी ने कहा, "स्वतंत्रता अहिंसा से प्राप्त नहीं करनी चाहिए।"

5. (क) धीरे-धीरे
   (ख) अनुमान – अनु
   (ग) राजा का पुत्र – राजपुत्र

6. (क) पृथ्वी – धरा, वसुधा, भू।
   अग्नि – अनल, पावक, आग।

(ख) अनुकूल– प्रतिकूल
आयात – निर्यात।

(ग) अवधि – समय
अवधी – अवध की भाषा।

(घ) जो वर्ष में एक बार हो– वार्षिक।
जिसका कोई अंत न हो– अनन्त।

7. (क) दाँतों तले उँगली दबाना (*आश्चर्य में पड़ना*)– रवि के हिंदी में शत-प्रतिशत नंबर देखकर मैंने दाँतो तले उँगली दबा ली।

खून पसीना एक करना (*कठिन परिश्रम करना*)– छोटा सा मकान मैंने खून-पसीना एक करके बनाया है।

(ख) अंत भले का भला– अच्छे आदमी को अंत में अच्छा ही फल मिलता है।
उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे– अपराधी द्वारा पूछताछ करने वाले को ही डाँटना।

खंड 'ग'

8. (क) अक्षरों की खोज के साथ एक नए युग की शुरुआत हुई।

(ख) मनुष्य अपने विचार और अपने हिसाब किताब को लिखकर रखने लगा।

(ग) किसी भी देश या कौम का इतिहास तब से शुरू होता है जबसे आदमी के लिखे हुए लेख मिलने लगे।

(घ) प्रागैतिहासिक काल।

(ङ) जब से मनुष्य को अक्षरों का ज्ञान हुआ।

9. (क) लेखिका दिन की रोशनी में काम न करके रात को टेबल लैंप के सामने काम करती थीं। जिस कारण आँखों पर जोर पड़ने से उनकी आँखों की रोशनी कम हो गई और उन्हें चश्मा लगवाना पड़ा।
लेखिका के चचेरे भाई मज़ा लेने के लिए उन्हें चिढ़ाते हुए कहते–

आँख पर चश्मा लगाया ताकि सूझे दूर की।
यह नहीं लड़की को मालूम सूरत बनी लंगूर की।

(ख) केशव और श्यामा को चिड़िया के अंडे देखकर यह उत्सुकता थी कि अंडे किस रंग के होते हैं? उनसे बच्चे कैसे पैदा होते हैं? वे क्या खाते हैं? उनका घोंसला कैसा होता है? उन्हें इन प्रश्नों का उत्तर देने वाला कोई नहीं था। उनकी माँ घर के कामों में और पिताजी पढ़ने-लिखने में लगे रहते थे। इसलिए दोनों आपस में ही सवाल-जवाब करके अपने-अपने दिल को तसल्ली दे लिया करते थे।

(ग) यह जीवन की सच्चाई है। यदि हम जीवन में मिल-जुलकर काम करते हैं तो बड़ी-से-बड़ी मुश्किल भी आसान हो जाती है। हम बड़ी-से-बड़ी शक्ति को भी झुकने पर विवश कर सकते हैं। संगठन में बहुत बड़ी शक्ति है। इसीलिए साहिर ने यह कहा है कि यदि मनुष्य मिलकर आगे बढ़ते हैं तो सागर को रास्ता देना पड़ता है और पर्वत भी उनके कदमों में शीश झुका देते हैं।

(घ) राजप्पा नागराजन की अलबम उसके घर से चुराकर ले आया था। उसने अलबम को अपने घर में छिपा दिया था। अब उसे भय था कि कहीं वह पकड़ा न जाए इसलिए वह अलबम को समाप्त करना चाहता था। बाथरूम में अँगीठी जलती देख उसने अलबम को उसमें डाल दिया था।

(ङ) ऐसे अनेक बहाने होते हैं जिन्हें सुनकर एक ही बार में मास्टर जी समझ जाते हैं। ऐसे बहानों में कुछ एक हैं– मेरे सिर में दर्द हो रहा है, मेरी माता जी बीमार थीं इसलिए मैं उनकी सेवा में लगा रहा, मेरे पिता जी एक दुर्घटना में घायल हो गए, मुझे अचानक जाना पड़ गया, मेरी बहन बीमार हो गई आदि ऐसे बहाने हैं जिन्हें सुनकर एक ही बार में मास्टर जी समझ जाते हैं कि सच्चाई क्या है?

10. (क) – (*i*) (ख) – (*i*) (ग) – (*i*) (घ) – (*iii*) (ङ) – (*i*)

11. (क) ताड़का एक राक्षसी थी। वह जिस वन में रहती थी, उससे भय के कारण उसका नाम ही ताड़का-वन पड़ गया था। उस वन में जो भी आता था, ताड़का उस पर अचानक आक्रमण कर देती थी।

महर्षि विश्वामित्र ने राम को उसका वध करने का आदेश दिया। राम ने महर्षि विश्वामित्र का आदेश पाकर धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाई और उसे खींचकर छोड़ा। प्रत्यंचा के छूटने की आवाज़ से ताड़का उत्तेजित हो उठी। वह क्रोध में भरकर राम की ओर दौड़ी। उसने पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। राम ने उस पर बाण चलाए। लक्ष्मण ने भी निशाना साधा। राम का एक बाण उसके हृदय में लगा और वह गिर पड़ी। वह फिर नहीं उठ पाई।

(ख) राजा दशरथ वृद्ध हो चले थे। उन्होंने राम को राज-काज में शामिल करना शुरू कर दिया था। राम यह जिम्मेदारी अच्छी प्रकार निभा रहे थे। प्रजा भी उन्हें चाहती थी इसलिए राजा दशरथ राम का राज्याभिषेक करना चाहते थे।

(ग) जब सुमंत्र का खाली रथ अयोध्या पहुँचा तो अयोध्यावासियों ने उसे घेर लिया। उन्होंने राम के बारे में उनसे अनेक प्रश्न किए। उन्होंने पूछा–महामंत्री, राम कहाँ हैं? सीता कैसी हैं? लक्ष्मण का क्या समाचार है? वे कहाँ रहते हैं? वे क्या खाते हैं? उनके उत्तरों से किसी को भी संतोष नहीं हुआ। महाराज दशरथ की बेचैनी बढ़ती गई और राम के वन-गमन के छठे दिन उन्होंने प्राण त्याग दिए।

(घ) शत्रुघ्न ने जब मंथरा को देखा तो उन्होंने लपककर उसके बाल पकड़ लिए। वे उसे खींचते हुए भरत के सामने लाए। उन्होंने भरत को मंथरा के बारे में सब कुछ बताया। शत्रुघ्न उसे जान से मार देना चाहते थे, पर भरत ने बीच-बचाव कर उसे छुड़वा लिया।

(ङ) शूर्पणखा राम को देखकर उन पर मोहित हो गई थी। वह राम को पाने के लिए आतुर हो गई। उसने माया से सुंदर स्त्री का रूप बना लिया और राम के पास चली गई। उसने उनसे कहा कि मैं तुमसे विवाह करना चाहती हूँ। राम ने सीता की ओर संकेत करते हुए कहा कि यह मेरी पत्नी है। मेरा विवाह हो चुका है। राम के मना करने पर वह लक्ष्मण के पास गई। लक्ष्मण ने यह कहकर कि मैं राम का दास हूँ। तुम मुझसे विवाह कर दासी बन जाओगी, उसे राम के पास भेज दिया। जब राम और लक्ष्मण में से किसी ने भी उससे विवाह करना स्वीकार नहीं किया तो शूर्पणखा ने क्रोध में आकर सीता पर झपट्टा मारा। यह देख लक्ष्मण ने तत्काल तलवार खींची और उसके नाक और कान काट लिए।

खंड 'घ'

12. 30, नरसिंह बाड़ी।
अल्मोड़ा उत्तराखण्ड
5 फरवरी, 2020
परम पूज्य मामा जी
सादर प्रणाम

आशा है आप स्वस्थ्य व सानंद होंगे। अगले कुछ ही दिनों में मेरी ग्रीष्मावकाश आरंभ हो जाएँगी। मैं इन ग्रीष्मावकाश में आपके पास आना चाहता हूँ। मुझे पर्वतीय क्षेत्र की यात्रा करने पर बहुत आनंद आता है और मौसम भी सुहावना होता है और अन्य दर्शनीय स्थानों जैसे सोमेश्वर, बागेश्वर, कौसानी, रानीखेत का भ्रमण करूँगा।

आशा है परिवार में सब कुशल होंगे। सभी को मेरी ओर से यथायोग्य प्रणाम।

आपका भांजा
दीपक।

13. **सूचना-पट्ट**

दिल्ली इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल
रोहिणी, दिल्ली

दिनांक 25.05.2019

प्रिय छात्रों

आप सभी को सूचित किया जाता है कि दिनांक 30.05.2019 को प्रात: 9.30 पर हमारे विद्यालय के प्रागंण में सर्वशिक्षा जागरूकता अभियान के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जा रहा है। कृपया समय पर पधारें।

14. **(क) परोपकार**

परोपकार अर्थात् दूसरों पर उपकार करना। जब हम नि:स्वार्थ भावना से किसी दूसरे की सेवा करते हैं तो उसे परोपकार का नाम दिया जाता है। मदर टेरेसा, गांधीजी व विनोबा भावे ये ऐसे नाम हैं जिन्होंने अपना जीवन दूसरों की सहायता हेतु समर्पित कर दिया। आज समाज में जितने भी चैरीटेबल अस्पताल, वृद्धाश्रम, नारीसदन, अनाथालय, अंधविद्यालय व धर्मशालाएँ चलती हैं ये सब परोपकार की भावना से ही प्रेरित हैं। कहा जाता है कि प्रत्येक मनुष्य में ईश्वर निवास करता है। इसीलिए यदि मनुष्य-मनुष्य से प्रेम करे, मुश्किल समय में एक-दूसरे के काम आए तो ईश्वर भी प्रसन्न होते हैं। यदि हम अपने प्राचीन इतिहास को देखें तो पाएँगे कि दधीचि ऋषि ने सुरों (देवताओं) को बचाने हेतु अपनी अस्थियाँ दान में दे डालीं, शिवी ने अपना मांस कबूतर हेतु दिया। ये सब परोपकार की भावना से ही संभव है। परोपकार हमारे जीवन में अति आवश्यक है क्योंकि यदि परोपकार की भावना न हो तो हर व्यक्ति स्वार्थी हो जाएगा। यदि हम प्रकृति को भी देखें तो पाते हैं कि पेड़ कभी अपनी छाया या फल अपने लिए नहीं लेते, नदियाँ या सरोवर अपना जल नहीं पीते। इसलिए मनुष्य को भी चाहिए कि समाज, राष्ट्र में एकता बनाए रखने हेतु, समाज को ऊँचा उठाने हेतु सदा एक-दूसरे के काम आए। हमारे धार्मिक ग्रंथों के अनुसार परहित करना ही सबसे बड़ा धर्म है। तभी तो तुलसीदास ने भी कहा–

"परहित सरिस धर्म नहि भाई।'

(ख यदि मैं चिड़िया होता

यदि मैं चिड़िया होता/होती तो मैं अपने आप को भाग्यवान समझती। अपने रंग-बिरंगे रूप पर मुझे गर्व होता। मैं सुंदर-सुंदर बाग-बगीचों में घूमती। फूलों का मीठा रस पीती। बच्चे मुझे जब पकड़ने की कोशिश करते तो मैं अपने उड़ने की रफ़्तार बढ़ा देती। बच्चे जब मेरे पीछे-पीछे भागते तो मुझे बहुत अच्छा लगता। जब कोई मुझे पकड़कर अपनी किताब, कॉपी या किसी डिबिया में बंद करता तो मुझे बहुत बुरा लगता क्योंकि ऐसे में मेरा घुट-घुट कर मरना निश्चित होता। मैं ईश्वर से सदा यह प्रार्थना करती कि मुझे उड़ने की इतनी शक्ति दो कि मैं कभी किसी के हाथ न आ सकूँ।

(ग) कंप्यूटर का महत्त्व

आज का युग कंप्यूटर का युग है। कंप्यूटर एक ऐसा मशीनी मस्तिष्क है जो ऐसे-ऐसे कार्य करने में सक्षम है जो मनुष्य की पहुँच से भी बाहर हैं। लाखों, करोड़ों व इससे भी अधिक संख्याओं की गणनाएँ यह पलक झपकते ही करने की क्षमता रखता है। सबसे बड़ी विशेषता इसकी यह है कि भले ही मनुष्य इसके उपयोग में किसी प्रकार की कोई गलती कर दे लेकिन यह सही सूचना देने में पूर्णतया सफल होता है। आज कंप्यूटर सभी कार्यालयों, विभागों, विद्यालयों, बैंक, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, हवाई अड्डों, यहाँ तक कि सभी दुकानों के कामकाज करने में पूर्ण सहयोगी है। मनोरंजन के साधनों में भी इसका जवाब नहीं। बच्चे तो बच्चे बड़े से बड़े भी इसके मनोरंजन से प्रसन्न रहते हैं। किसी भी व्यक्ति को यदि बंद कमरे में कंप्यूटर देकर बिठा दिया जाए तो शायद वह स्वतंत्र घूमने वाले प्राणी से अधिक प्रसन्न होगा। वैज्ञानिक क्षेत्र में देश-विदेश व अंतरिक्ष के कार्य कंप्यूटर के सहारे ही होते हैं। अंतरिक्ष से संबंध भी यही स्थापित करता है। इंटरनेट इसकी विशेष देन है। कुछ ही क्षणों में हम अपने प्रत्येक कार्य हेतु पूरे विश्व से सूचनाएँ प्राप्त कर सकते हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में हर प्रयोग व हर बीमारी की जाँच यहाँ तक कि हृदय गति मापने तक का कार्य यह बखूबी करता है। लेकिन कई बार बच्चे व कुछ लोग इसका गलत प्रयोग कर स्वयं ही गुमराह होते हैं जोकि गलत है। हमें इस उपयोगी साधन का सकारात्मक रूप में ही प्रयोग करना चाहिए।

गोल्डन सैम्पल पेपर-3
हिंदी–VI

उत्तर-भाग

खंड 'क'

1. (क) पुस्तकालय का अर्थ है– 'पुस्तक का घर'। पुस्तकालय में लाखों की संख्या में कीमती पुस्तकें होती हैं, जिन्हें साधारण व्यक्ति खरीद नहीं पाते परंतु वही लोग पुस्तकालय में जाकर ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

   (ख) पुस्तकालय में सभी तरह की एवं देश-विदेश की सभी पुस्तकें एक जगह आसानी से मिल जाती हैं जिनसे हमें देश-विदेश की नई-पुरानी बातें सीखने को मिलती हैं।

   (ग) साधारण लोग इतनी कीमती पुस्तकें खरीद नहीं पाते। अत: यहाँ कम-से-कम खर्च में कीमती किताबें पढ़ी जा सकती हैं।

   (घ) पुस्तकालयों में मनोरंजन की भी अनेकों पुस्तकें होती हैं जैसे– उपन्यास, कहानी, गीत-संगीत आदि। उन्हें पढ़कर हमारा मनोरंजन होता है।

   (ङ) प् + उ + स् + त् + अ + क् + आ + ल् + अ + य् + अ।

2. (क) काव्यांश में भारतभूमि की प्रशंसा का गान किया गया है।

   (ख) भारत की पुण्य धरती पर गंगा-यमुना, त्रिवेणी, सिंधु इत्यादि नदियाँ बहती हैं।

   (ग) इस धरती पर श्रीराम, श्रीकृष्ण, गौतमबुद्ध इत्यादि महापुरुषों ने जन्म लिया है।

   (घ) गौतम ने जग में दया एवं ज्ञान की सीख दी।

   (ङ) मातृभूमि का तात्पर्य– भारतभूमि है।

खंड 'ख'

3. (क) व्याकरण का शुद्ध रूप भाषा को मानक रूप प्रदान करता है।

   (ख) उदाहरण – ट् + ट – मिट्टी

   (ग) मयूर का तद्भव रूप– मोर।

4. (क) पिताजी दिल्ली गए हैं।

   (ख) प्यारी, अच्छी।

   (ग) द्विकर्मक क्रिया।

   (घ) रोगी को सेब काटकर खिलाओ।

   (ङ) विस्मयसूचक।

5. (क) पुष्प – सुमन, फूल
   जल – नीर, अंबू

(ख) कर्मठ – कामचोर
गौण – मुख्य

(ग) कुल – वंश
कूल – किनारा

(घ) मास में एक बार होने वाला– मासिक
दूसरों का उपकार मानने वाला– कृतज्ञ

6. (क) सकुशल– उपसर्ग - स
मूल शब्द - कुशल

(ख) बनावट – प्रत्यय - आवट
मूल शब्द - बन

(ग) राम + अवतार – रामावतार।
सदा + एव – सदैव

(घ) त्रिलोचन – तीन हैं लोचन जिसके
पंचतत्व – पाँच तत्वों का समूह।

7. (क) **दाने-दाने को तरसना** (मुँहताज होना)– पाकिस्तान आज दुनिया में दाने-दाने को तरस रहा है।
लोहे के चने चबाना (बहुत कठिन काम करना)– स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में वीर सेनानियों को लोहे के चने चबाने पड़े थे।

(ख) **मान न मान मैं तेरा मेहमान–** बिना चाहे किसी के गले पड़ना।
न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी– जड़ से समाप्त कर देना।

खंड 'ग'

8. (क) पाठ का नाम– *नौकर।*
लेखक का नाम– *अनु बंद्योपाध्याय।*

(ख) एक बार एक आश्रमवासी ने आलुओं को बिना धोए ही काट दिया था। गांधी जी ने उसे समझाते हुए कहा कि नींबू और आलू धोकर ही काटने चाहिए। बिना धोए इन्हें नहीं काटना चाहिए। इससे स्पष्ट है कि गांधी जी को फलों, सब्ज़ियों आदि के पौष्टिक गुणों का ज्ञान था।

(ग) एक आश्रमवासी को ऐसे केले दिए गए जिनके छिलके पर काले चक्ते पड़ गए थे। आश्रमवासी ने इसे बुरा माना।

(घ) गांधी जी ने उसे समझाते हुए कहा कि ऐसे केले शीघ्र हज़्म हो जाते हैं। ये केले तुम्हें विशेष रूप से दिए गए थे क्योंकि तुम्हारी पाचन शक्ति कमज़ोर है।

(ङ) कमज़ोर - ताकतवर।

9. (क) हेलेन केलर की एक प्रिय मित्र जंगल की सैर करने गईं। सैर करने के बाद जब वह घर लौटीं तो हेलेन केलर ने उनसे पूछा–आपने क्या-क्या देखा है? वह बोलीं कोई खास चीज़ नहीं देखी। अपनी मित्र से यह सुन उसे लगा कि जिन लोगों के पास आँखें हैं वे सचमुच बहुत कम देखते हैं।

(ख) गोल चमकीला रोड़ा (पत्थर) यह बताता है कि वह पहले से ही ऐसा नहीं था। वह पहले चट्टान के रूप में था। चट्टान के टूटने से वह एक बड़ी शिला बन गया था। शिला के टूटने पर उसका आकार छोटा हो गया। वह पहले

खुरदरा और नोकीला था। वह एक पहाड़ के दामन में पड़ा था। पानी आया और उसे बहाकर छोटी घाटी में ले गया। वहाँ से वह पहाड़ी नाले में बहता-बहता दरिया में पहुँचा। इस प्रकार घिसते-घिसते वह गोल और चमकीला बन गया।

(ग) लोकगीतों में लोच और ताज़गी होती है। उनका सीधा संबंध जन-सामान्य से होता है। वे घर, गाँव और नगर की जनता के गीत होते हैं। इनके लिए किसी साधना या प्रयास की जरूरत नहीं होती।
लोकगीतों को विशेष अवसरों–विवाह, जन्मोत्सव आदि के अवसर पर गाया जाता है। त्योहारों के अवसर पर भी इन्हें गाते हैं। इन्हें बाजे के बिना ही गाया जाता है। साधारण ढोलक, झाँझ, बाँसुरी आदि का प्रयोग इन गीतों के गाने के दौरान किया जाता है।

(घ) आश्रम में कॉलेज के छात्रों से गांधी जी ने गेहूँ बीनने का काम करवाया। वास्तव में वे उन छात्रों का घमंड तोड़कर उन्हें समझाना चाहते थे कि कोई कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता।

(ङ) चार-पाँच वर्ष की आयु वाले बाँस को बूढ़ा बाँस कहा जा सकता है। बूढ़े बाँस की यह विशेषता है कि वे सख्त होते हैं। इसके कारण वे जल्दी टूट जाते हैं जबकि युवा बाँस नरम और लचीले होते हैं, उन्हें किसी भी प्रकार का सामान बनाने हेतु आसानी से प्रयोग में लाया जा सकता है।

10. (क) कविता का नाम– *मैं सबसे छोटी होऊँ।*
कवि का नाम– *सुमित्रानंदन पंत।*

(ख) छोटे बच्चे का माँ अधिक ध्यान रखती है और सबसे छोटे को माँ का प्यार अधिक मिलता है। इसलिए कविता में सबसे छोटे होने की कल्पना की गई है।

(ग) कवि का मानना है कि पहले तो हमारा लालन-पालन कर हमें बड़ा करती है। जब बड़े हो जाते हैं तब माँ हमें वह प्यार नहीं देती जो वह हमें छोटा होने पर दिया करती थी। माँ का हमें बड़ा करना हमारे साथ छल है क्योंकि माँ हमें बड़ा कर अपने से दूर कर देती है।

(घ) गोदी में सोने और उसका आँचल पकड़कर उसके साथ घूमने का।

(ङ) होऊँ-सोऊँ, साथ-हाथ।

11. (क) रावण सीता-हरण के लिए मारीच को अपने साथ लाया। मारीच ने सोने के हिरण का रूप धारण कर लिया और राम की कुटिया के आस-पास घूमने लगा। सीता उसे देख मुग्ध हो गई और उसे पकड़ने के लिए उसने राम से अनुरोध किया। राम को कुटी से निकलते देख मायावी हिरण ज़ोर-ज़ोर से दौड़ने लगा और वह उन्हें दूर तक ले गया। राम उसे जीवित नहीं पकड़ पाए। उन्होंने उस पर बाण छोड़ दिया जिससे वह धरती पर गिर पड़ा। उसने अपने असली रूप में आकर हा सीते! हा लक्ष्मण! की ऐसे आवाज़ निकाली जैसे वह आवाज़ राम की हो। जिसे सुन सीता ने लक्ष्मण को राम की सहायता के लिए जाने पर मजबूर किया। लक्ष्मण के वहाँ से जाते ही रावण सीता का हरण करने में सफल हो गया।

(ख) शबरी मतंग ऋषि की शिष्या थी। वह पंपा सरोवर के पास मतंग ऋषि के आश्रम में रहती थी। उसकी आयु बहुत हो गई थी। उसकी काया जर्जर थी। वह हर पल राम की प्रतीक्षा किया करती थी। राम को आश्रम में देखकर वह बहुत प्रसन्न हुई। उसने राम-लक्ष्मण की बहुत आवभगत की। उसने उन्हें स्वयं चख-चखकर मीठे बेर खिलाए और रहने के लिए जगह दी। उसने राम से कहा कि "आप सुग्रीव से मित्रता कीजिए। सीता की खोज में वह आपकी सहायता करेगा। उसके पास विलक्षण शक्ति वाले बंदर हैं।"

(ग) सुग्रीव किष्किंधा के वानरराज बाली के छोटे भाई थे। पिता की मृत्यु के बाद ज्येष्ठ पुत्र होने के कारण वह किष्किंधा का राजा बना था। दोनों भाइयों में राजकाज के कारण झगड़ा इतना बढ़ गया कि बाली ने उन्हें मार डालना चाहा और उसकी पत्नी पर भी अपना अधिकार कर लिया। वे अपनी जान बचाने के लिए ऋष्यमूक पर्वत पर आकर रहने लगे थे।

(घ) लंका जाते हुए हनुमान को कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। मार्ग में हनुमान को विराट शरीर वाली सुरसा राक्षसी का सामना करना पड़ा। वह हनुमान को खा जाना चाहती थी। पवन-पुत्र हनुमान उसके मुँह में घुसे और तत्काल ही निकलकर आगे बढ़ गए। आगे उन्हें सिंहिका नाम की राक्षसी का सामना करना पड़ा। उसने हनुमान की परछाईं पकड़ ली। इससे वे अचानक आसमान में ठहर गए। हनुमान को उस पर क्रोध आया। उन्होंने सिंहिका को मार डाला और आगे बढ़े।

(ङ) विभीषण ने रावण को यह समझाने का प्रयत्न किया कि राम से युद्ध न करना ही ठीक है। उन्होंने रावण से कहा कि वह राम को सीता लौटा दे। इसी में सबका कल्याण है। सीता के मिल जाने पर राम लंका पर आक्रमण नहीं करेंगे। राक्षसों में खलबली मची हुई थी। वे राम की शक्ति से डर गए थे। उनमें हताशा छा गई थी। विभीषण जानते थे कि हताश सेना कभी शत्रु का सामना नहीं कर सकती। अतएव विभीषण ने नगर की हालत को देखते हुए रावण को समझाने का प्रयत्न किया।

खंड 'घ'

12. मकान नं.–740
कस्तूरबा गांधी मार्ग
मोरबी, गुजरात
दिनांक: 10 अप्रैल, 20....

आदरणीय दीदी

सादर प्रणाम।

मैं यहाँ कुशल से हूँ आशा करता हूँ कि आप भी सकुशल होंगी। कल हमारे विद्यालय में दौड़ प्रतियोगिता थी। इसमें लगभग 80 छात्रों ने भाग लिया। मैंने इसमें प्रथम स्थान प्राप्त करके स्वर्ण पदक प्राप्त किया। मुझे अत्यंत खुशी हुई। प्रधानाचार्य ने भी मुझे शाबाशी दी। मैं आशा करता हूँ कि आप भी यह जानकर खुश होंगी। यह सब आपके उत्साह का ही फल है। मैं ग्रीष्मावकाश में आपसे मिलने आऊँगा। माता-पिता को मेरी ओर से चरण-स्पर्श।

आपका भाई
नमन

13. **ग्राहक–** भईया कौन-कौन सी कंपनी के मोबाइल रखते हो?
दुकानदार– सेमसंग, एम.आई, विवो, ओ.पो. और भी कई कंपनियों के।
ग्राहक– आजकल किसका चलन अधिक है?
दुकानदार– सबकी अपनी-अपनी पसंद है। चलन में तो सभी हैं।
ग्राहक– ठीक है, दस हजार की कीमत वाला एक विवो मोबाइल दे दीजिए।
दुकानदार– जी ठीक है। देता हूँ।

14.

खुशखबरी, खुशखबरी, खुशखबरी

आप सभी को सूचित किया जाता है कि टाईटन ने घड़ियों में अपना नया मॉडल (MTS) निकाल दिया है। ये घड़ियाँ रंग एवं डिजाइन में बेहद आकर्षक है। साथ ही साथ कीमत तो बहुत ही कम है। आज ही खरीदिए MTS कलाई घड़ी। सुंदर और टिकाऊ। पाँच साल की गारंटी के साथ।

15. **(क) मेट्रो रेल**

निरंतर बढ़ती आबादी व लोगों की निजी वाहनों के प्रति चाहत के कारण सड़कों पर वाहनों का आना-जाना अत्यधिक बढ़ता जा रहा है। कई बार थोड़ी-सी दूरी तय करने के लिए भी घंटों सड़कों पर ही खड़े रहना पड़ता है। इसी असुविधा से निबटने हेतु मेट्रो रेल को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह अत्यधिक तेज़ चलने वाली व सुविधापूर्ण रेल व्यवस्था है। यह सड़कों से काफी ऊँचाई पर पुलों पर या धरती में सुरंगों में बिछाए गए पटरियों के जाल पर चलती है। इस रेल के सभी डिब्बे इलैक्ट्रॉनिक पद्धति से बंद होते हैं तथा खुलते हैं। साफ़-सफ़ाई का इसमें अत्यधिक ध्यान रखा जाता है। इसमें गंतव्य के प्रत्येक स्थान हेतु आवश्यकतानुसार निर्देश दिए जाते हैं। इस रेल में सफ़र करने से धन व समय दोनों की बचत होती है। लोगों को भी चाहिए कि इन रेलों का भरपूर आनंद उठाते हुए इन्हें कभी गंदा न करें, इसमें प्रयुक्त इलैक्ट्रॉनिक पद्धति को कोई नुकसान न पहुँचाए। यदि कहीं पर कोई टूट-फूट या खराबी देखें तो तुरंत संबंधित अधिकारी को सूचित करें।